'छोटे उद्योग सशक्त प्रदेश का आधार'

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को एमएसएमई इकाइयों को ऋण वितरित करते हुए कहा कि छोटे उद्योग सशक्त प्रदेश का आधार हैं। कोरोना काल में केंद्र व राज्य सरकार ने मिलकर प्रवासी श्रमिक भाइयों-बहनों, परंपरागत शिल्पकारों व एमएसएमई क्षेत्र के प्रोत्साहन के लिए नियोजित प्रयास किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉकडाउन के दौरान 14 मई को जब पहला आर्थिक पैकेज जारी किया, उसके अगले ही दिन यूपी सरकार ने ऑनलाइन स्वरोजगार कार्यक्रम के तहत 56,754 नई एमएसएमई इकाइयों को 2002 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया।

सीएम ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर की समस्याओं और जिज्ञासाओं के समाधान के लिए एमएसएमई साथी पोर्टल और एप लॉन्च किया गया। 26 जून को जब प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर उ.प्र. रोजगार अभियान की शुरुआत की, तब 4,03,646 नई और पुरानी एमएसएमई इकाइयों को 10,999 करोड़ का वित्तीय प्रोत्साहन देकर ऋण दिलाया गया। तीसरे चरण में 2,69,291 इकाइयों को 7,841 करोड़ का ऋण दिलाया गया। यह ऋण इन उद्योगों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने का माध्यम बने। मुख्यमंत्री ने इसमें बैंकों की भूमिका की भी सराहना की। एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में एमएसएमई सेक्टर लगातार उल्लेखनीय काम कर रहा है। ओडीओपी योजना से अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम प्राप्त हुआ है। ब्यूरो

सीएम ने कहा- शिल्पकारों व एमएसएमई क्षेत्र के प्रोत्साहन के लिए किए गए नियोजित प्रयास

इन्हें निशुल्क टूल किट

सीएम के हाथों हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल, मेटल शिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, पॉटरी से संबंधित निशुल्क टूल किट पाने वालों में हनुमान दत्त मिश्र, सुषमा वर्मा, पम्मी, रेहाना परवीन, चंदो कश्यप, मो. इमरान, सुष्मा कुमारी, मधु कश्यप, मेराज खान, राधा सिंह शामिल हैं। प्रदीप मिश्र, मो. एजाज खान, आशीष पाल, मो. सुलेमान, अरविंद अरोड़ा, सुभाष पाल, संदीप अरोड़ा, सिद्धार्थ भाटिया तथा मनीष वर्मा को ऋण प्रदान किया।